



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 343]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 13, 2009/कार्तिक 22, 1931

No. 343]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 13, 2009/KARTIKA 22, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 नवम्बर, 2009

**विषय : चीन जन. गण. के मूल के या वहां से निर्यातित 'सोडियम नाइट्राइट' के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा—अंतिम जांच परिणाम ।**

फा. सं. 15/24/2008-डीजीएडी.—यतः निर्दिष्ट प्राधिकारी ने वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियम, 1995 (जिन्हें आगे पाटनरोधी नियमावली कहा गया है), ने उप-शीर्ष 2834.10.10 के अंतर्गत आने वाले चीन जन. गण. (जिसे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित सोडियम नाइट्राइट (जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों पर अंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी । प्रारंभिक जांच परिणाम 6 अप्रैल, 2000 की अधिसूचना सं. 39/1/99-डीजीएडी के तहत प्रकाशित किए गए थे और अंतिम शुल्क 23 मई, 2000 की सी. शु. अधिसूचना सं. 76/2000-सी.शु. के तहत संबद्ध वस्तु पर लगाया गया था। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 3 नवम्बर, 2000 को अंतिम जांच परिणाम अधिसूचित किए थे और सीमा-शुल्क द्वारा 19 दिसम्बर, 2000 की अधिसूचना सं. 147/2000-सी.शु. के तहत निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था ।

2. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने लागू शुल्क को सतत रूप से लगाए जाने की जरूरत की समीक्षा करने और इस बात की समीक्षा करने कि क्या शुल्क की समाप्ति से पाटन एवं क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9 (5) के अनुसार 2 दिसम्बर, 2004 की अधिसूचना सं. 39/1/1999-डीजीएडी के तहत चीन जन. गण. के मूल के या वहां से निर्यातित सोडियम नाइट्राइट (एसएनआई) के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच शुरू की थी। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 1 दिसम्बर, 2005 को निर्णायक समीक्षा जांच में अंतिम जांच परिणाम निकाले थे और सरकार ने 17-1-2006 की अधिसूचना सं. 3/2006-सी.शु. के अनुसार पाटनरोधी शुल्क लागू किया था ।

3. अधिनियम की धारा 9 (5) और पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी को मै. दीपक नाइट्राइट लि., पुणे से एक विधिवत पुष्टिकृत आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें इस आधार पर संबद्ध वस्तु पर लागू पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने और उसका विस्तार करने का अनुरोध किया गया था कि पूर्व में निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन में अत्यधिक वृद्धि हुई है और इसलिए घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए मौजूदा शुल्क पर्याप्त नहीं है। आवेदक ने इस संबंध में प्रथम दृष्टया साक्ष्य के साथ दावा किया और लागू पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने और उसमें विस्तार करने का अनुरोध किया।

4. समीक्षा की जरूरत की पुष्टि करते हुए घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सकारात्मक साक्ष्य से संतुष्ट होने के बाद निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधिक समीक्षा शुरू करते हुए 17 नवंबर, 2008 को एक सार्वजनिक सूचना सं. 15/24/2008 जारी की, जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया।

#### ख. प्रक्रिया

5. इन कार्रवाईयों में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

(i) नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरुआत के बारे में नई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के दूतावास को सूचित किया गया था।

(ii) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 17 नवंबर, 2008 की जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियां भारत स्थित संबद्ध देश के दूतावास, प्राधिकारी के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों, ज्ञात आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों और घरेलू उद्योग को भेजी। इस जांच से संबंधित पार्टियों से निर्धारित समयावधि के भीतर प्रश्नावली के उत्तर देने और लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया गया था। निर्यातकों को भेजे गए पत्र, आवेदन और प्रश्नावली की प्रतियां इस अनुरोध के साथ ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची सहित संबद्ध देश के दूतावास को भी भेजी गई थी कि वे संबद्ध देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें।

(iii) उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा दायर आवेदन के अनोपनीय समांतरण की प्रति संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों और दूतावास को उपलब्ध कराई गई थी।

(iv) नियम 6(4) के अनुसार संज्ञा सूचना मांगने के लिए संबद्ध देश के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं:

1. बीओआरआई इंटरनेशनल इंटरप्राइजेज (नानजिंग) कं. लि. चीन
2. जियांगन शु इंटरनेशनल इकोनॉमिक-टेक्नीकल कोऑपरेशन कॉर्प. चीन.
3. केनजिंग कैमिकल सीबीट कं. लि. चीन
4. जियांगन शु जियांगनकेम सीबीट कं. लि. चीन

5. जियानशू कैम. एंड बिल्डिंग लि. चीन
6. लियानयूगंग यूआंटल इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं. लि. चीन.
7. वूक्सी फेईपेंग फाइन कैमिकल (ग्रुप कं. लि., चीन)
8. जियांगशू क्यूलेंगशेंग कैमिकल कं. लि., चीन,
9. जियोंशू फेंगझाऊ कैमिकल कं. लि., चीन
10. हांगझे याइन्झू कैमिकल ग्रुप कंपनी लि. चीन
11. वूक्सी झानवांग कैमिकल कंपनी लि., चीन
12. जियांगशू बोहान इंड ट्रेड कंपनी लि.
13. चेंगझाऊ जिया ए कैमिकल कं. लि. चीन
14. निम्बो हुआक्शन कैमिकल कंपनी लि. चीन
15. वेनझाऊ डांगशेंग कैमिकल रीजेंट फैक्टरी, वेनझाऊ सिटी
16. हैगझाऊ लॉगशेन कैमिक कंपनी लि. चीन
17. निंगबो फ्री ट्रेड जोन कैमिकल एंड लाइट इंडस्ट्री कं. लि. चीन
18. वेनझाऊ कैमिकल मैटेरियल फैक्ट्री, चीन
19. झेजियांग झोंगसिंग कैमिकल रीजेंट कं. लि. चीन
20. हैगझाऊ जिनलॉग कैमिकल कं. लि.
21. वेनझाऊ हुआकियो कैमिकल रीजेंट कं. लि. चीन
22. लैक्सी यीडा कैमिकल रीजेंट कं. लि. चीन
23. लेंगसी जिनचेंग फाइन कैमिकल कंपनी लि.
24. हैगहुआ कलरफुल पिमेंट कंपनी लि. चीन
25. वेंनटॉंग ग्रुप, चीन
26. शंघाई लुयूआन फाइन कैमिकल फैक्ट्री, चीन
27. शंघाई एक्सपेरिमेंटल रीजेंट कंपनी लि.
28. शंघाई अली बर्ड कैमिकल कंपनी लि., चीन
29. शंघाई विंग फेंग कैमिकल फैक्ट्री
30. शंघाई लाइमिंग इंड एंड ट्रेड कंपनी लि., चीन
31. शांक्सी डांगसिंग. कैमिकल कंपनी लि., चीन
32. शांक्सी फेंगशी फर्टीलाइजर इंड. ग्रुप (लि.)
33. जिआओचेंग नियन कैमि. कंपनी लि., चीन
34. वेनहुई झेनजिंग फर्टी. कंपनी लि. चीन
35. गुआंगझाऊ जिनहोडा कैमी. रीजेंट. कंपनी लि., कैमिकल कंपनी लि., चीन
36. गुआंगझोंग जिलांग कैमिकल कंपनी लि., चीन
37. हिनिक ग्रुप, चीन
38. शेंनझेन जुझी कैमिकल कंपनी लि., चीन
39. शेनझेन जिनरिशेंग कैमिकल कंपनी लि., चीन
40. सिनोकैम गेंगझाऊ इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पो., चीन
41. थियूऐन इंट. ट्रेडिंग कंपनी, चीन
42. जिचेंग होल्डिंग लि., चीन
43. चाइना नेशनल कैमिकल कंस्ट्रक्शन झेनझेन कंपनी, चीन

44. डांगगुआन शिवाई कैमिकल कंपनी लि., चीन
45. शेनडांग लुंगूआंग कैमिकल फैक्ट्री
46. शेनडांग जियानसिन कैमिकल कं. लि. चीन
47. है चैंगगोंग कैमिकल लि., चीन
48. जिबोडिफेंग कैमिकल्स कंपनी लि., चीन
49. शेनडांग लिहर्ड कैमिकल इंड कंपनी लि., चीन
50. जिबो कैमिकल रीजेंट फैक्ट्री कंपनी लि. चीन
51. शेनडांग जिननेंग कोल गैसीफिकेशन कं. लि. चीन
52. एक्रोयली होल्लिंग्स क्विंगडाओ, कं. लि. चीन
53. क्विंगझाओ ऐलीटेंग कैमिकल टैक. कंपनी लि. चीन
54. तियानजिन कैमिकल रीजेंट नं.1 प्लांट, चीन
55. तियानजिन जिनजिन कैमिकल प्लांट, चीन
56. तियानजिन करनैल कैमिकल रीजेंट कैमिकल कं. लि., चीन
57. जिनबोक (तियानजिंग इंट. कंपनी लि., चीन)
58. तियानजिन यंगशाइनिंग कैमिकल्स कं. लि., चीन
59. दमाओ कैमिकल रीजेंट फैक्ट्री चीन
60. बीजिंग हेंगी झोंगयूआन कैमि. कं. लि. चीन
61. चाइना नेशनल कैमी. कंस्ट्र. चीन
62. बीजिंग हुआतेंग कैमी. कं. लि., चीन
63. हेबल स्मार्ट कैमी. कं. लि. चीन
64. सिनोकैम हैबल क्विन हुआंगडो इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पो., चीन
65. सिजियाझुआंग जिहुआ कैमि. टैक्स. कंपनी लि., चीन
66. द हुआ ग्रुप लियन कैमि. इंड कंपनी लि. चीन
67. दहुआ कैम. इंटर इको एंड ट्रेड कार्पो. चीन
68. मुदनजियांग फेंगडा कैमिकल इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पो., चीन
69. चांगजिंग फूयूआन कैमि. कं. लि. चीन
70. जियामैन मैडी कैमि इंड कंपनी लि., चीन
71. ऑलवे कैम-फार्म इंड, चीन
72. हुआन जिनहू नेटिव प्रोड्यूस एंड एनीमल बाई प्रोडक्ट इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. चीन
73. रोनास कैमि. इंड कंपनी लि., चीन

उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में निर्यातकों में से किसी निर्यातक ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है ।

(v) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित आयातकों और प्रयोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गई थी :-

1. अहमदाबाद कैमिकल्स, अहमदाबाद
2. ऐसीटिक इंड, अहमदाबाद
3. एरीज डाई कैम इंड, अहमदाबाद
4. बकुल ऐरोमेटिक्स इंड कैमि. लि. मुंबई
5. कैफिल प्रा.लि., मुंबई
6. डिनटैक्स डाईकैम लि., अहमदाबाद
7. डायनामिक इंड लि., अहमदाबाद
8. एनजेल कैम. (आई.) प्रा.लि., मुंबई
9. फार्मसन फार्मा, बड़ौदा
10. इंडोकोल कैम लि., अहमदाबाद
11. आईलैंड वीरकैमी, हैदराबाद
12. जानशंस लि., मुंबई
13. केतुल कैम प्रा.लि., मुंबई
14. मैट्रोकेम इंट., अहमदाबाद
15. मनीष कैमि. लि., अहमदाबाद
16. परसिन कैमि. लि., हैदराबाद
17. प्रभव डाईवियर कं. लि., मुंबई
18. रवि डाईवियर कं. लि., मुंबई
19. रोहा डाई कैम, मुंबई
20. शू-वी कैमि. लि., शोलापुर
21. सवाकाशी डाई-ओ-फैब, अहमदाबाद
22. सुवन फॉर्मा लि., हैदराबाद

किसी भी आयातक/हितबद्ध पार्टी ने प्रश्नावली या इससे संबंधित कोई सूचना दायर नहीं की है।

(vi) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से जांच अवधि और पूर्ववर्ती 3 वर्षों के आयात आंकड़े मांगे गए थे।

(vii) प्राधिकारी ने हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा जिसे हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षण हेतु खुला रखा।

(viii) घरेलू उद्योग होने के नाते मै. दीपक नाइट्राइट लि. ने सूचना/आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। प्राधिकारी ने हुई क्षति की जांच करने और भारत में उत्पादन की इष्टतम लागत, संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत निकालने के लिए सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के अनुसार संभव सीमा तक घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना की जांच की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा। कंपनी ने समस्त सांविधिक लेखा पुस्तिकाओं का रख-रखाव किया। चूंकि जिस सूचना पर भरोसा किया गया है वह लेखा पुस्तिकाओं से ली

गई है, इसलिए प्राधिकारी ने कंपनी द्वारा रखी गई लेखा पुस्तिकाओं से सत्यापित सूचना अपनाई है।

(ix) पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने 29 जुलाई, 2009 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचारों को मौखिक रूप से व्यक्त करने के लिए समस्त हितबद्ध पार्टियों को अवसर भी प्रदान किया। जिन पार्टियों ने सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार व्यक्त किए थे, उनसे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों के लिखित अनुरोध दायर करने का आग्रह किया गया था।

(x) लिखित अनुरोधों में दिए गए तर्कों/पार्टियों से प्राप्त उत्तरों पर इन जांच परिणामों में जहां संगत पाया गया है, विचार किया गया है;

(xi) यह जांच 1.04.2007 से 31.3.2008 तक 12 माह की अवधि (जांच अवधि) के लिए की गई थी और क्षति विश्लेषण वर्ष 2004-05, 2005-06, 2006-07, तथा 2007-08 के लिए किया गया है।

(xii) पाटनरोधी नियमावली के नियम 16 के अनुसार प्राधिकारी द्वारा विचारित आवश्यक तथ्यों का प्रकटन ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को किया गया था और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर इन जांच परिणामों में विधिवत विचार किया गया है।

(xiii) हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने के बाद प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई और इसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पार्टियों को नहीं किया गया। जहां कहीं संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना-प्रदान करने वाली पार्टियों को निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराएं।

(xiv) जहां कहीं किसी हितबद्ध पार्टी ने आवश्यक सूचना जुटाने से मना किया है या वर्तमान जांच की कार्यवाई के दौरान उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराया है या जांच में अत्यधिक बाधा डाली है, वहां प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर ये जांच परिणाम दर्ज किए हैं।

(xv) \*\*\* यह चिन्ह इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमों के अंतर्गत उसे गोपनीय ही माना है।

## ग. विचाराधीन उत्पाद और घरेलू

### ग.1 घरेलू उद्योग के विचार

6. विचाराधीन उत्पाद और घरेलू समान वस्तु के संबंध में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित मुद्दे उठाए हैं:

6.1. वर्तमान समीक्षा जांच लागू पाटनरोधी शुल्क का विस्तार करने का अनुरोध करते हुए एक मध्यावधिक समीक्षा जांच है, इसलिए विचाराधीन उत्पाद वही रहता है, जैसा कि पूर्ववर्ती जांचों में परिभाषित किया गया है।

6.2. पूर्ववर्ती जांच तथा वर्तमान समीक्षा जांच में शामिल उत्पाद "सोडियम नाइट्राइट" है। सोडियम नाइट्राइट एक ऑक्सीकारक अभिकर्ता होने के साथ एक अवकारक अभिक्रमक भी है। यह एक सफेद रवेदार चूर्ण होता है, जिसका उपयोग मुख्य रूप से भोज्य उद्योगों, रंजक उद्योगों, स्नेहकों, निर्माण रसायनों, रबड़ ब्लोइंग एजेंट, उष्ण अंतरण लवणों, मांस प्रसंस्करण, कस्त्रोद्योग आदि में किया जाता है। सोडियम नाइट्राइट के उत्पादन हेतु प्रमुख कच्ची सामग्री अमोनिया है जिसे उत्प्रेरक की उपस्थिति में उच्च तापमान पर नाइट्रस ऑक्साइड में परिवर्तित किया जाता है। तत्पश्चात् सोडियम नाइट्राइट प्राप्त करने के लिए नाइट्रस ऑक्साइड को कॉस्टिक सोडा द्वारा अवशोषित किया जाता है। सोडियम नाइट्राइट का उपयोग मुख्य रूप से विभिन्न प्रकार के मध्यवर्ती पदार्थों के उत्पादन हेतु रंजक उद्योगों द्वारा और एनालाइन, थियोफाइलिन एवं कैफीन आदि के उत्पादन हेतु भोज्य उद्योग द्वारा किया जाता है।

6.3. सोडियम नाइट्राइट सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची 1 के सी.शु. उपशीर्ष 2834.00 तथा आईसीटी के 2834.1010 के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

6.4. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु आयातित उत्पाद के समान वस्तु है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पूर्ववर्ती जांचों में विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के मुद्दे की विस्तार से जांच की थी।

## **4.2 आयातकों, उपभोक्ताओं, निर्माताओं और अन्य हितवद्ध पार्टियों के विचार**

7. विचाराधीन उत्पाद और घरेलू समान वस्तु के बारे में किसी भी निर्यातक, आयातक, उपभोक्ता और अन्य हितवद्ध पार्टी ने कोई टिप्पणी या अनुरोध प्रस्तुत नहीं किए हैं।

## **4.3 प्रतिनिधित्व द्वारा जांच**

8. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद अध्याय 28 के उपशीर्ष 2834.1010 के अंतर्गत वर्गीकृत सोडियम नाइट्राइट (जिसे आगे संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) है।

9. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सोडियम नाइट्राइट और चीन जन.गण. से निर्यातित सोडियम नाइट्राइट में ऐसा कोई खास अंतर नहीं है जिसका कीमत पर प्रभाव पड़ सके। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सोडियम नाइट्राइट तथा चीन जन.गण. के मूल के या वहां से निर्यातित सोडियम नाइट्राइट भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत नीति, वितरण एवं विपणन और वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय है। विनिर्माण प्रक्रिया की समानता

तथा प्रतिस्थापनीयता को देखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि दोनों को पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के अनुसार इस जांच के प्रयोजनार्थ समान एवं एक ही उत्पाद मानना अपेक्षित है ।

### घ. घरेलू उद्योग का आधार एवं क्षेत्र विस्तार

#### घ.1. घरेलू उद्योग के विचार

10. पूर्ववर्ती जांचों में दीपक नाइट्राइट लि., पुणे ने प्राधिकारी के समक्ष आवेदन दायर किया था और प्राधिकारी ने यह माना था कि घरेलू उद्योग के रूप में आवेदक का उत्पादन नियमानुसार भारत में "समान वस्तु" के उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है ।

11. मै. दीपक नाइट्राइट लि., पुणे ने पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने और उसमें विस्तार करने के लिए आवेदन दायर किया है । आवेदक ने अनुरोध किया है कि वह भारत में संबद्ध वस्तु का एक प्रमुख उत्पादक है और उसका उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन के 50% से काफी अधिक बनता है ।

12. अतः इस समीक्षा के प्रयोजनार्थ आवेदक आधार संबंधी अपेक्षा की पूर्ति करता है (यद्यपि यह किसी मध्यावधिक समीक्षा में अनिवार्य नहीं है) और वह पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है ।

#### घ.2 आयातकों, उपभोक्ताओं, निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

13. "घरेलू उद्योग" और "उसके आधार" के बारे में किसी भी निर्यातक, आयातक, उपभोक्ता और अन्य हितबद्ध पार्टी ने कोई टिप्पणी या अनुरोध प्रस्तुत नहीं किए हैं ।

#### घ.3. निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जांच

14. पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा और उसके विस्तार हेतु आवेदन मै. दीपक नाइट्राइट लि., पुणे द्वारा दायर किया गया है और उसने पाटन एवं घरेलू उद्योग को हुई परिणामी क्षति के बारे में परिवर्तित परिस्थितियों के संबंध में संगत सूचना उपलब्ध कराई है । मै. दीपक नाइट्राइट लि., पुणे के उत्पादन का हिस्सा भारतीय उत्पादन के 50% से अधिक बनता है ।

15. नियमावली के नियम 2(ख) में निम्नानुसार उपबंध है:-

"ख "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु



का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा ।"

16. इस बात पर विचार करते हुए कि आवेदक मै. दीपक नाइट्राइट लि., पुणे का उत्पादन घरेलू समान वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है तथा विधिक प्रावधानों और रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि मै. दीपक नाइट्राइट लि., पुणे पाटनरोधी नियमावली के अर्थ क भीतर वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ "घरेलू उद्योग" है ।

## ड. पाटन मार्जिन

### ड.1. घरेलू उद्योग के विचार

17. चूंकि इस मध्यावधिक समीक्षा जांच में चीन जन.गण. के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था के दावे के संबंध में कोई उत्तर तथा कोई अनुरोध दायर नहीं किया है, इसलिए चीन जन.गण. के समस्त निर्यातकों/उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के लिए लागू नियमों के अनुसार किया जाए ।

18. आवेदक ने यह तर्क दिया है कि बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की "तुलनीय कीमत" के आधार पर सामान्य मूल्य निकालने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए ऐसे तीसरे देश में किसी सहयोगी उत्पादक द्वारा की गई समस्त घरेलू बिक्रियों से संबंधित पूर्ण एवं व्यापक सत्यापनीय सूचना के साथ-साथ उसकी उत्पादन लागत तथा अन्य समस्त संबद्ध सूचना एवं साक्ष्यों "व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समस्त सूचना सहित" की उपलब्धता अपेक्षित होती । आवेदक ने चीन के उत्पादकों के लिए किसी उचित प्रतिनिधि देश के रूप में भारत पर विचार करने का अनुरोध किया है क्योंकि भारत के लिए सही और पर्याप्त सूचना आसानी से उपलब्ध है । अन्य जांचकर्ता प्राधिकारियों द्वारा उचित प्रतिनिधि देश के रूप में भारत पर विचार किया जा रहा है और इस पर प्रतिबंध लगाने का कोई तथ्यपरक आधार नहीं है ।

19. आवेदक ने यह तर्क दिया है कि इस प्रकार चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य का निर्धारण (क) भारत में कीमत, और (ख) बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय तथा लाभ सहित विधिवत समायोजित भारत में उत्पादन लागत के आधार पर किया जा सकता है । तदनुसार उनके द्वारा सामान्य मूल्य का निर्धारण इस तथ्य के मद्देनजर विधिवत समायोजित भारत में उत्पादन लागत के आधार पर किया गया है कि बिक्री कीमत घाटा देने वाली कीमत है । सामान्य मूल्य की गणनाएं आवेदन के साथ संलग्न की गई थीं ।

4135-1

### 3.2 निर्यातकों आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

20. निर्यात कीमत, सामान्य मूल्य और पाटन मार्जिन के निर्धारण के बारे में किसी भी निर्यातक, आयातक, प्रयोक्ता और अन्य हितबद्ध पार्टी ने कोई टिप्पणी या अनुरोध प्रस्तुत नहीं किए हैं।

### 3.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

21. अधिनियम की धारा 9 (1)(ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है:

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में सामान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उपनियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में सामान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :-
  - (क) सामान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो, अथवा
  - (ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

### 3.4 चीन जन गण में सामान्य मूल्य

22. चीन जन गण के मूल के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच में सामान्य मूल्य पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और 8 के अनुसार निर्धारित करना अपेक्षित होता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में यह उपबंध है कि:

"गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा संरक्षित मूल्य अथवा ऐसे तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के मूल्य के आधार पर किया जाएगा अथवा जहां यह संभव न हो, किसी अन्य समुचित आधार पर किया जाएगा जिसमें समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान की गई अथवा भारत में भुगतान की गई कीमत शामिल है, जिसमें यदि जरूरी हो, तो रकम की समुचित मार्जिन को भी विधिवत समायोजित किया जाएगा..."।

इसके अलावा, पाटनरोधी नियमावली (यथासंशोधित) के अनुबंध-1 के पैरा 8 में यह उपबंध है कि :

"8(1) 'गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देश' शब्द का अर्थ ऐसा कोई देश है जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी ने लागत या कीमत निर्धारण संरचनाओं के बाजार सिद्धांतों पर प्रचालन करते हुए निर्धारित नहीं किया है क्योंकि ऐसे देश में पण्य वस्तुओं की विक्रियां उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मापदंडों के अनुसार पण्य वस्तुओं का उचित मूल्य प्रदर्शित नहीं करती हैं ।

(2) ऐसी एक परिकल्पना होगी कि कोई देश जिसे जांच से पहले तीन वर्ष की अवधि के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा या उद्योगीओं के किसी सदस्य देश के सामान प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में निर्धारित किया गया है या माना गया है, को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाएगा ;

बशर्ते कि तथापि यह कि गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश ऐसे देश की संज्ञित प्रतीति निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस आशय की सूचना और साक्ष्य उपलब्ध कराके ऐसी किसी परिकल्पना का खंडन कर सकते हैं जो यह सिद्ध करती हो कि वह देश उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मापदंडों के आधार पर एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है ।"

#### उ.4.1. प्राधिकारी द्वारा जांच

23. चीन के किसी निर्यातक/उत्पादक ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 के उप-पैरा 3 में किए गए उल्लेख के अनुसार कोई सूचना/साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों पर विचार कर सकें कि क्या:

- (क) कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा मूल्य, उत्पादन, विक्रियां और निवेश के बारे में चीन सरकार में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;
- (ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बड़े खर्चों, वस्तु निर्यात-बाजार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विक्रियों के अध्ययन हैं;

- (ग) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यक्ष हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
- (घ) विनिमय दर का परिवर्तन ब्याज की दर पर किया जाता है ।

24. चीन के निर्यातकों/उत्पादकों के असहयोग के मद्देनजर प्राधिकारी किसी अलग कंपनी को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं कर सकते और वे चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानते हुए पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करना उचित समझते हैं । प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक ने बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत या परिकलित सामान्य मूल्य के साक्ष्य के बारे में सूचना उपलब्ध नहीं कराई । अन्य देशों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश से कीमत के बारे में सूचना भी उपलब्ध नहीं कराई गई थी । इसके अलावा, भारत के लिए बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश से कीमत स्वीकार नहीं की जा सकती क्योंकि भारत को अधिकांश आयात या तो चीन जन.गण. से हुए थे, या फिर तीसरे देशों से चीन के मूल की संबद्ध वस्तु का यानांतरण किया गया था । इसके मद्देनजर प्राधिकारी विधिवत समायोजित भारत में उत्पादन लागत पर विचार करते हुए सामान्य मूल्य का परिकलन उचित समझते हैं जिसमें कच्ची सामग्री की कीमत तथा परिवर्तन लागत, बिक्री, सामान्य, प्रशासनिक व्यय और उचित लाभ का प्रदर्शन किया गया हो । अंतर्राष्ट्रीय कीमत पर सोडियम नाइट्राइट के विनिर्माण हेतु कच्ची सामग्री, घरेलू उद्योग के खपत मानक और उचित लाभ पर चीन जन.गण. के समस्त निर्यातकों/उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य के परिकलन हेतु किया गया है ।

25. अतः चीन जन.गण. के समस्त निर्यातकों/उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य \*\*\*अम.डॉ./मी.ट. निर्धारित किया गया है ।

## ड.5. निर्यात कीमत

### ड.5.1. घरेलू उद्योग के विचार:

26. पाटनरोधी डब्ल्यूटीओ करार और भारतीय नियमों के अनुसार सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना व्यापार के समान स्तर पर की जानी चाहिए । अतः निर्यात कीमत का समायोजन निम्नलिखित व्यय के लिए किया गया है, जिन्हें भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात करने के लिए निर्यातक द्वारा किया गया हो सकता है (i) समुद्री भाड़ा, (ii) समुद्री बीमा; (iii) पत्तन व्यय एवं हैंडलिंग प्रभार; (iv) अंतरदेशीय भाड़ा; (v) बैंक कमीशन; (vi) वैट संबंधी अंतर ।

### च.5.2. प्राधिकारी द्वारा जांच

27. प्राधिकारी नोट करते हैं कि न तो निर्यातक/उत्पादकों ने और न ही आयातकों/प्रयोक्ताओं ने इस जांच में उत्तर दिया है । प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त

आयात के आंकड़ों के आधार पर चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के आयात मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण किया है । भारत के लिए कारखाना निर्यात कीमत निकालने हेतु अंतरदेशीय भाड़े, हैंडलिंग, बीमा, विदेशी भाड़े आदि से संबंधित उपलब्ध तथ्यों के आधार पर समायोजनों पर विचार किया गया है । इस प्रकार प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के समस्त निर्यातकों/उत्पादकों के लिए संबद्ध वस्तु की कारखाना निर्यात कीमत \*\*\* अम.डॉ./मी.ट. निर्धारित की है ।

### ड.6. पाटन मार्जिन

#### ड.6.1. घरेलू उद्योग के विचार:

28. पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम सीमा से अधिक है अपितु, अत्यधिक है, जिससे घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

#### 29. सतत पाटन और सतत पाटन की संभावना:

वर्तमान जांच एक मध्यावधिक समीक्षा जांच है और निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटनरोधी शुल्क की राशि में संशोधित (विस्तार) करना अपेक्षित है । निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए पाटनरोधी शुल्क को सतत रूप से लगाए जाने की जरूरत की जांच करना और पाटनरोधी शुल्क की राशि में संशोधन करने की जांच करना अपेक्षित है । यद्यपि, निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए पाटन की सतत पुनरावृत्ति होने की संभावना की जांच करना अपेक्षित नहीं है, तथापि, आवेदक ने यह प्रदर्शित करने के लिए सूचना उपलब्ध कराई है कि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क में उचित विस्तार न किए जाने की स्थिति में पाटन जारी रहने और घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है । इस संबंध में निम्नलिखित संगत हैं :-

क मूल जांच की तुलना में निर्यात की मात्रा काफी अधिक रही है, जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देखा जाएगा :-

वर्ष	चीन जन.गण. से आयात (मी.ट. में)
1996-97	611
1997-98	A 3095

1998-99 (जांच अवधि मूल मामला)	2024
1999-00	3422
2000-01	1287
2001-02	2000
2002-03	2202
2003-04 (जांच अवधि निर्णायक समीक्षा)	3740
2004-05	2,519
2005-06	5,138
2006-07	6,032
2007-08 (जांच अवधि निर्णायक समीक्षा)	4,365
2008-09	8,212
2009-10 (अवधि मूल)	2,654

A

2009-10

10,616

(अप्रैल-जून) वार्षिकीकृत

ख. मूल जांच और पिछली निर्णायक समीक्षा में निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक था, जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देखा जाएगा। आवेदक द्वारा वर्तमान याचिका में अनुमानित पाटन मार्जिन भी काफी अधिक है।

	पाटन मार्जिन (% में)	बैचमार्क
मूल जांच	75.78%	524.63 अम.डॉ. प्रति मी.ट.
निर्णायक समीक्षा जांच	55.74%	481 अम.डॉ. प्रति मी.ट.
वर्तमान जांच	66.32%	अनुमानित 638 अम.डॉ. प्रति मी.ट.

ग. जांचोत्तर अवधि में भी निर्धारित की मात्रा काफी अधिक है। वस्तुतः आयात की मात्रा में केवल औद्योगिक के कारण ही कुछ कमी आई है (क्योंकि कई संयंत्रों को उत्पादन स्थिति काबू के निर्वहण दिए गए थे)। औद्योगिक समाप्ति होने के बाद उत्पादन सामान्य स्तर पर पुनः शुरू हुआ और भारतीय बाजार में पुनः चीन जम-गम से आयातों की भरमार देखी गई।

घ. औद्योगिक पर्यटन स्तर पर शुल्क लगाए जाने के बाद भी होने वाले सस्ता विदेशों से सस्ते बाजार में वृद्धि करने की जगह से कम पता चलता है।

### 3.3.2 प्रतिनिधि सारान्तः

3.3.2.1 उद्योग/आयुक्त निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्धारित कीमत पर विचार करते हुए जांच अवधि के दौरान भारत में सूचित आयातों के संबंध में पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है। पाटन मार्जिन प्रति मी.ट. तथा 60.94% निर्धारित किया गया है।

विवरण	इकाई	कीमत/मी.ट.
सामान्य मूल्य	अम.डॉ. प्रति मी.ट.	***
निर्धारित कीमत	अम.डॉ. प्रति मी.ट.	***

पाटन मार्जिन	अम.डॉ. प्रति मी.ट.	***
पाटन मार्जिन %	%	60.94

### च. क्षति एवं कारणात्मक संबंध का निर्धारण

#### च.1. घरेलू उद्योग के विचार

31. पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 11.2, अधिनियम की धारा 9 (5) और पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 की उचित व्याख्या और समझ यह है कि मध्यावधि समीक्षा के पीछे मुख्य उद्देश्य इस बात पर विचार करना है कि क्या (क) लागू पाटनरोधी शुल्क को वापस लेना अपेक्षित है, (ख) लागू पाटनरोधी शुल्क की राशि को बढ़ाना या घटाना अपेक्षित है। मध्यावधि समीक्षा में फोकस और वह भी तब जब पाटनरोधी शुल्क की मात्रा को बढ़ाने के लिए आवेदन किया गया हो, (क) पाटनरोधी शुल्क जारी रखने के औचित्य, तथा (ख) पाटनरोधी शुल्क की मात्रा को बढ़ाने के औचित्य पर होना चाहिए। वर्तमान मामले में :

क. मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद घरेलू उद्योग को सतत क्षति हुई है, जिससे पाटनरोधी शुल्क जारी रखने की जरूरत सिद्ध होती है।

ख. शुल्क की राशि समाप्त करने या उसमें कमी किए जाने की स्थिति में क्षति जारी रहने की संभावना है।

ग. घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए वर्तमान बैंचमार्क शुल्क अब पर्याप्त नहीं रह गया है; घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत में पर्याप्त वृद्धि हुई है; और इसलिए पाटनरोधी शुल्क की राशि में संशोधन/संवर्धन करना अपेक्षित है।

घ. हालांकि इस अवधि में उत्पादन लागत में वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप आयात कीमत में कुछ वृद्धि हुई है (तथापि, यह वृद्धि निविष्ट लागत में हुई वृद्धि के अनुपात में नहीं है) तथापि, बैंक मार्क वही बना रहा है। परिणामतः लगभग अगस्त, 2007 से आयात ऐसी कीमत पर होने की सूचना मिली है, जिससे आयातों की पहुंच कीमत बैंचमार्क से अधिक हो गई है। इस प्रकार जहां आयात पाटित एवं क्षतिकारी कीमत पर पाटनरोधी शुल्क के भुगतान के बिना निर्बाध रूप से जारी रहे, वहीं घरेलू उद्योग को भारी घाटा हुआ।

#### च.2 निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं आदि के विचार



32. चीन जन.गण. के किसी उत्पादक/निर्यातक ने कोई उत्तर नहीं दिया है। न ही किसी हितबद्ध पार्टी ने क्षति एवं कारणात्मक संबंध सहित वर्तमान जांच के किसी पहलू पर कोई तर्क दिया है।

### च.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

33. यह जांच सतत पाटन एवं परिणामी क्षति और सतत पाटन तथा परिणामी क्षति की संभावना के बारे में घरेलू उद्योग के दावे को ध्यान में रखते हुए लागू पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने, उसे जारी रखने तथा उसमें वृद्धि करने के लिए है।

34. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव; तथा (ख) ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच का उपबंध है। जहां तक पाटित आयातों के कीमत प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित है, कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक पाटित आयातों के कीमत प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में अन्यथा पर्याप्त स्तर तक गिरावट आई है अथवा होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।

35. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है:

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमत, पाटन मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों; नकद प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

36. प्राधिकारी ने क्षति जांच के बारे में हितबद्ध पार्टियों के तर्कों को नोट किया है और उठाए गए मुद्दों का समाधान उचित स्थानों पर किया है। प्राधिकारी ने हितबद्ध पार्टियों के तथ्यों और तर्कों को ध्यान में रखते हुए क्षति मापदंडों की तथ्यपरक जांच की है।

37. क्षति की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने सबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के घरेलू उद्योग पर मात्रा एवं कीमत प्रभाव और कीमत तथा लाभप्रदता पर उसके प्रभाव की जांच की है ताकि क्षति एवं पाटन तथा क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई हो, की मौजूदगी की जांच की जा सके। तदनुसार पाटित आयातों के मात्रात्मक एवं कीमत प्रभाव की जांच निम्नानुसार की गई है:

**क. मात्रा प्रभाव****क) मांग का निर्धारण**

विधाराधीन उत्पाद की घरेलू खपत/मांग के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग एवं अन्य भारतीय उत्पादकों के बिक्री मूल्य को भारत में हुए कुल आयातों में जोड़ा है जो संक्षेप में निम्नानुसार है:

मांग		2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	17,061	17,715	18,538	21,276
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	मी.ट.	6,463	6,034	6,262	6,313
अवद्ध खपत	मी.ट.	1,358	1,105	657	665
चीन जन.गण. से आयात	मी.ट.	2,519	5,138	6,032	4,365
(संबद्ध देश)					
ई यू से आयात	मी.ट.	2,706	3,506	2,336	2,423
(वे देश जिन पर फाटनरोधी शुल्क लागू है)					
अन्य देशों से आयात	मी.ट.	699	359	2	200
मांग	मी.ट.	30,086	33,857	33,828	35,241

प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 2006-07 के दौरान मामूली गिरावट को छोड़कर क्षति अवधि के दौरान मांग में सामान्यतः सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है।

**ख) अयात की मात्रा एवं बाजार हिस्सा**

फाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II (ii) में यह उपबंध है कि पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन का खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों के आधार पर आयातों का मूल्य निर्धारित किया है जैसा कि निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है :

आयात	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
• चीन जन.गण.	मी.ट.	2,519	5,138	6,032	4,365
• ई यू (वे देश जिन पर फाटनरोधी शुल्क	मी.ट.	2,706	3,506	2,336	2,423

लागू है)					
अन्य देश	मी.ट.	699	359	2	200
कुल आयात	मी.ट.	5,924	9,003	8,371	6,987
<b>आयातों में बाजार हिस्सा</b>					
चीन जन.गण.	%	42.51	57.07	72.07	62.47
ई यू (जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है)	%	45.69	38.94	27.91	34.68
अन्य देश	%	11.80	3.99	0.02	2.86
<b>मांग में बाजार हिस्सा</b>					
घरेलू उद्योग	%	55.38	52.32	54.80	60.37
अन्य भारतीय उत्पादक	%	20.98	17.82	18.51	17.91
आबद्ध अंतरण	%	4.41	3.27	1.94	1.89
चीन जन.गण. से आयात	%	8.18	15.17	17.83	12.39
ई यू से आयात (जिस पर शुल्क लागू है)	%	8.79	10.36	6.91	6.88
अन्य देशों से आयात	%	2.27	1.06	0.01	0.57
घरेलू उद्योग का उत्पादन	मी.ट.	21,087	21,035	20,800	22,757
<b>भारतीय उद्योग के उत्पादन के संबंध में आयात % के रूप में</b>					
• चीन जन.गण. (संबद्ध देश)	%	11.94	24.42	29.00	19.18
• ई यू (वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है)	%	12.83	16.67	11.23	10.65
अन्य देश	%	3.32	1.71	0.01	0.88

उपर्युक्त से यह स्पष्ट होता है कि :

- लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद आधार वर्ष की तुलना में चीन जन.गण. से आयातों की मात्रा में समग्र और तुलनात्मक दोनों रूपों में वृद्धि हुई है ।
- आधार वर्ष की तुलना में भारत में संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में चीन जन.गण. से हुए आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई है ।
- संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के संबंध में मांग में बाजार हिस्सा, जो वर्ष 2004-05 में मात्र 8.18% था, जांच अवधि में बढ़कर 12.39% हो गया । इसी समय ई यू, जिस पर पहले से पाटनरोधी शुल्क लागू है, के हिस्से में इस अवधि में गिरावट आई है । परिणामतः घरेलू उद्योग का हिस्सा (आबद्ध सहित) जो 2004-05 के दौरान 80.77% था, जांच अवधि में घटकर 80.17% हो गया ।
- भारतीय उत्पादन की तुलना में चीन जन.गण. से आयातों में वृद्धि हुई है ।

घरेलू उद्योग ने यह भी तर्क दिया है कि चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के आयातों में गिरावट आई है क्योंकि चीन जनगण. में सोडियम नाइट्राइट के विनिर्माताओं सहित प्रदूषण फैलाने वाले कुछेक उद्योगों से चीन जन.गण. में ओलंपिक शुरु होने से पूर्व अपने संयंत्र बंद करने के लिए कहा गया था।

ग) उत्पादन, क्षमता और क्षमता उपयोग

विवरण	इकाइयां	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
स्थापित क्षमता	मी.ट.	27,000	27,000	27,000	27,000
उत्पादन	मी.ट.	21,087	21,035	20,800	22,757
क्षमता उपयोग	%	78.10	77.91	77.04	84.29

प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 2005-06 और 2006-07 में घरेलू उद्योग के उत्पादन और क्षमता उपयोग में गिरावट आई परंतु जांच अवधि में वृद्धि हुई। यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग जांच अवधि के दौरान अपनी मात्रा बढ़ाने में समर्थ रहा है। घरेलू उद्योग ने कहा है कि चीन के उत्पादकों को ओलंपिक के कारण अपना उत्पादन कम करना पड़ा था। इसके अलावा, घरेलू उद्योग द्वारा अपनी नियम लागत का समायोजन करने और तत्पश्चात वित्तीय घाटे पर भी उत्पाद की बिक्री करने के लिए संभव सीमा तक अपना उत्पादन बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

घ) बिक्री:

घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा निम्नलिखित तालिका में दी गई है: -

विवरण	इकाइयां	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
घरेलू बिक्री	मी.ट.	17,061	17,715	18,538	21,276
सूचीबद्ध बिक्री	प्रवृत्ति	100	104	109	125

यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में भी वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि बिक्री में यह वृद्धि भारत में संबंधित उत्पाद की मांग में वृद्धि के कारण ही हुई है।

ख) घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

- संबद्ध देश से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत पर प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण, यदि

कोई हो, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति तथा क्षति रहित कीमत (घरेलू उद्योग की लागत सूचना के आधार पर आकलित) की तुलना संबद्ध देश से हुए आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है।

ii) जांच अवधि के दौरान पाटित आयातों के पहुंच मूल्य और घरेलू बाजार में घरेलू बिक्री कीमत के बीच संबद्ध वस्तु की तुलना की गई थी। घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति का निर्धारण करने में करों, रिबेट, छूट और घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित कमीशन का समायोजन किया गया है। कम कीमत पर बिक्री क्षति निर्धारण का एक प्रमुख संकेतक है; इसलिए प्राधिकारी ने क्षतिरहित कीमत की गणना कर उसकी तुलना पहुंच मूल्य के साथ की है ताकि कम कीमत पर बिक्री की मात्रा का पता लगाया जा सके। घरेलू उद्योग के लिए क्षतिरहित कीमत का मूल्यांकन जांच अवधि के दौरा विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन लागत पर समुचित विचार करने के बाद किया गया है। स्थिति निम्नानुसार है :-

विवरण	इकाइयां	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
पहुंच कीमत	रु./मी.ट.	18,161	17,832	16,906	19,070
निवल बिक्री कीमत	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज	5 to 15	15 to 25	15 to 25	10 to 20
क्षतिरहित कीमत	रु./मी.ट.	-	-	-	***
कम कीमत पर बिक्री	रु./मी.ट.	-	-	-	***
कम कीमत पर बिक्री	% रेंज	-	-	-	30 to 35

(iii) चूंकि संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, इसलिए पूर्ववर्ती जांच में प्रपधिकारी द्वारा संस्तुत बेंचमार्क कीमत के संदर्भ में भी कीमत कटौती की संगणना की गई है :

	इकाइयां	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
संदर्भ कीमत	अम.डॉ./मी.ट.	524.63	524.63	481.00	481.00
विनिमय दर	रु./अम.डॉ.	45.22	44.41	45.60	40.75
संदर्भ कीमत	रु./मी.ट.	23,722	23,298	21,934	19,601
पहुंच कीमत	रु./मी.ट.	18,161	17,832	16,906	19,070
पाटनरोधी शुल्क	रु./मी.ट.	5,765	5,665	5,214	755
पाटनरोधी शुल्क के साथ संदर्भ कीमत	रु./मी.ट.	23,932	23,497	22,120	19,825
निवल बिक्री कीमत	रु./मी.ट.	***	***	***	***

पाटनरोधी शुल्क के साथ कीमत कटौती	रु./मी.ट.	(***)	(***)	(***)	***
पाटनरोधी शुल्क के साथ % - कीमत % रेंज कटौती		(-)15 to 25	(-)5 to 15	(-)1 to 5	10 to 20

उपर्युक्त से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि :

- क. चीन जन.गण. से हुए आयातों के कारण जांच अवधि और पूर्ववर्ती वर्षों के दौरान घरेलू उद्योग की कीमत में अत्यधिक कटौती हो रही है ।
- ख. लागू बेंचमार्क कीमत क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम थी। इस प्रकार लागू पाटनरोधी शुल्क को जोड़ने के बाद भी आयात सस्ते थे ।

**कीमत ह्रास:**

इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08 (जांच अवधि)
निवल बिक्री कीमत	रु./मी.ट.	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	105
बिक्री की लागत	रु./मी.ट.	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	127

(iv) इस बात का निर्धारण करने के लिए कि क्या संबद्ध देश से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग कीमतों का ह्रास/न्यूनीकरण हो रहा था, प्राधिकारी ने बिक्री कीमत एवं उत्पादन लागत में प्रवृत्तियों की तुलना की है जैसा कि उपर्युक्त तालिका में देखा जा सकता है । यह नोट किया जाता है कि बिक्री कीमत में हुई वृद्धि क्षति अवधि के दौरान उत्पादन लागत में हुई वृद्धि से मामूली कम रही थी । इस प्रकार आयातों से घरेलू उद्योग की कीमत में मामूली ह्रास हो रहा था ।

(v) प्राधिकारी नोट करते हैं कि (क) आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम है जिससे कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है; (ख) आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत से काफी कम है जिससे कम कीमत पर बिक्री हुई है ; इसके अलावा, (ग) संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत में मामूली ह्रास भी हो रहा है ।

**ग अन्य क्षति मामलों की जांच**

38. घरेलू उद्योग की मात्रा और कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव और आयातों की मात्रा एवं मूल्य, क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और घरेलू उद्योग की बिक्री के साथ-साथ पूर्ववर्ती

खंड में विभिन्न भागों के बाजार हिस्से के साथ मांग की पद्धति जैसे प्रमुख क्षति संबंधी संकेतकों की जांच करने के बाद ऐसे अन्य आर्थिक मापदंडों का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है जिनसे घरेलू उद्योग को हुई मौजूदगी का पता चलता है :

(क) लाभ/हानि, निवेश पर आय तथा नकद प्रवाह: निवेश पर आय, ब्याज पूर्व एवं ब्याज पश्चात लाभ/हानि, निवेश पर आय एवं नकद लाभ में निम्नलिखित तालिका के अनुसार घट-बढ़ हुई है:

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
लाभ/( हानि)					
बिक्री की लागत	रु./मी.ट.	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	112	127	112
बिक्री कीमत	रु./मी.ट.	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	106	105	111
लाभ/( हानि)	रु./मी.ट.	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	(100)	(196)	(418)	(119)
लाभ/( हानि)	रु./लाख	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	(100)	(203)	(454)	(148)
पीबीआईटी	रु./लाख	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	(100)	(324)	(980)	(49)
नकद लाभ	रु./लाख	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	(100)	(306)	(877)	(110)
लगाई गई पूंजी पर आय-एनएफए	%	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	(100)	(231)	(604)	(32)

प्राधिकारी नोट करते हैं कि :

i. घरेलू उद्योग को समूची क्षति अवधि के दौरान घाटा हो रहा है। संबद्ध देश से आयातों की मात्रा में लगातार वृद्धि होने के कारण वर्ष 2006-07 तक लाभप्रदता में गिरावट आई परंतु इसमें जांच अवधि में सुधार हुआ। यद्यपि जांच अवधि के दौरान घाटे में कमी आई तथापि, यह आधार वर्ष की तुलना में अधिक बना रहा, जिससे क्षति अवधि के दौरान लाभप्रदता में समग्र गिरावट का पता चलता है।

ii. नकद प्रवाह पर पाटित आयातों के प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान नकद लाभ में प्रवृत्तियों की जांच की है, जैसा कि उपर्युक्त तालिका में दर्शाया गया है। नकद लाभ का निर्धारण लाभ (कर पूर्व लाभ) में मूल्य ह्रास की राशि को जोड़ कर किया गया है। क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का नकद प्रवाह नकारात्मक रहा था। तथापि, लाभप्रदता के अनुरूप जांच अवधि में नकद घाटे में कमी आई है।

**(ख) मालसूचियां:**

घरेलू उद्योग के पास मालसूची निम्नानुसार रही है :-

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
औसत स्टॉक	मी.ट.	220	498	766	442
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	226	348	201

प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के पास मालसूची में वर्ष 206-07 तक वृद्धि हुई परंतु जांच अवधि के दौरान गिरावट आई:

**(ग) रोजगार, मजदूरी तथा उत्पादकता**

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
रोजगार	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	89	88	89
उत्पादन	मी.ट.	21,087	21,035	20,800	22,757
प्रति दिवस उत्पादकता	मी.ट.	58	58	57	62
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट.	***	***	***	***
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	सूचीबद्ध	100	112	112	121
मजदूरी	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	89	43	92

प्राधिकारी ने रोजगार एवं मजदूरी के स्तर में कोई खास परिवर्तन नोट नहीं किया है। उत्पादन में वृद्धि के मद्देनजर प्रति कर्मचारी उत्पादन के रूप में व्यक्त उत्पादकता में सुधार प्रदर्शित हुआ है।

**(घ) वृद्धि**

क्षति के अनेक मापदंडों से जांचाधीन अवधि के दौरान सकारात्मक प्रवृत्ति का पता चलता है। यद्यपि वृद्धि सकारात्मक रही थी, तथापि, कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्र और कीमत ह्रास के संबंध में प्रतिकूल कीमत प्रभाव देखा गया है। जांच अवधि के दौरान घाटे में कमी आई है परंतु वह अब भी आधार वर्ष से अधिक है जिससे क्षति अवधि के दौरान लाभप्रदता में समग्र गिरावट का पता चलता है।

**(ङ) पाटन मार्जिन** - प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश के खिलाफ पाटन मार्जिन लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद भी काफी अधिक है।

**(च) पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता** - प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक कंपनी एक बहु उत्पाद कंपनी है और उसे नया निवेश जुटाने में कठिनाई नहीं हो सकती है। तथापि, उत्पाद के प्रतिकूल निष्पादन से भविष्य में नए निवेश जुटाने की क्षमता में बाधा आ सकती है।



## 39. अन्य ज्ञात कारक तथा कारणात्मक संबंध

- क. पाटित कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा और मूल्य :- अन्य देशों से हुए आयात उच्चतर कीमत पर हुए हैं या फिर आयात की मात्रा न्यूनतम है अथवा इन आयातों पर पहले से ही पाटनरोधी शुल्क लागू है । अतः अन्य देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो रही है अथवा इन स्रोतों पर पहले से ही पाटनरोधी शुल्क लागू है ।
- ख. मांग में कमी :- विचाराधीन उत्पाद की मांग में कोई नकारात्मक वृद्धि दर्ज नहीं हुई है । इस प्रकार मांग में ऐसी कोई कमी नहीं आई है जिससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जा सके ।
- ग. खपत की पद्धति में परिवर्तन :- विचाराधीन उत्पाद के संबंध में खपत की पद्धति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है । खपत की पद्धति में हुए किसी परिवर्तन को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता ।
- घ. विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा :- ऐसा कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है ।
- ङ. प्रौद्योगिकी विकास :- उत्पाद के उत्पादन की प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है । इस प्रकार, प्रौद्योगिकी विकास क्षति का कोई कारक नहीं है ।
- च. निर्यात निष्पादन :- आवेदक के पास पर्याप्त निर्यात कार्यकलाप नहीं है । घरेलू उद्योग को हुई क्षति आवेदक द्वारा संबद्ध वस्तु के निर्यातों के कारण नहीं हो सकती है ।
- छ. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और बिक्रीत अन्य उत्पादों का निष्पादन :- घरेलू उद्योग एक बहु उत्पाद कंपनी है । तथापि, विचाराधीन उत्पाद से संबंधित सूचना को अलग किया गया है और जिस सूचना पर भरोसा किया गया है वह अन्य उत्पादों से संबंधित नहीं है । अन्य उत्पादों के निष्पादन के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ।

40. क्षति मापदंडों के उपर्युक्त विश्लेषण और कारणोत्तर कारकों की जांच से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग के निष्पादन में अनेक मापदंडों में सुधार हुआ है परंतु संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण लाभप्रदता, नकद हानि, कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री की वजह से वास्तविक क्षति अभी भी जारी है ।

### घ. क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना

41. प्राधिकारी नोट करते हैं कि लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद चीन जन.गण. से पाटन जारी है और ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हो रही है। अतः पाटन एवं क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना की आगे जांच अपेक्षित नहीं है।

### च. निष्कर्ष

42. हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों, प्रदत्त सूचना और किए गए अनुरोधों तथा हितबद्ध पार्टियों के अनुरोधों के जरिए अथवा उपर्युक्त जांच परिणाम में अन्यथा दर्ज अनुरोधों के जरिए प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों और पाटन एवं क्षति की वर्तमान एवं संभावित स्थिति तथा पाटन एवं क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना के उपर्युक्त विश्लेषण को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :

- i. संबद्ध वस्तु भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर प्रवेश कर रही है और चीन जन.गण. से आयातित संबद्ध वस्तु का पाटन मार्जिन पर्याप्त तथा निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक है। मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात पाटित कीमतों पर किया जा रहा है।
- ii. रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करते हुए वर्तमान उपाय समाप्त किए जाने की स्थिति में संबद्ध वस्तु के भारतीय बाजार में पाटित कीमत पर प्रवेश किए जाने की संभावना है।
- iii. मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद घरेलू उद्योग की स्थिति में आगे और गिरावट आई है। इसके अलावा, वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को हुई क्षति जारी रहने और उसमें वृद्धि होने की संभावना है।
- iv. घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट चीन जन.गण. से हुए पाटित आयातों के कारण आई है।
- v. पाटनरोधी शुल्क का वर्तमान स्तर सतत पाटन और घरेलू उद्योग को होने वाली परिणामी क्षति के निवारण हेतु अपर्याप्त है और इसलिए पाटनरोधी शुल्क में संशोधन अपेक्षित है।

### झ. निष्कर्ष

43. यह निष्कर्ष निकालने के बाद कि उत्पाद का पाटित कीमतों पर निर्यात जारी है, वर्तमान पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन से लागू पाटनरोधी शुल्क में संशोधन की जरूरत की पुष्टि होती है, घरेलू उद्योग की स्थिति नज़रु बनी हुई है और शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में चीन जन.गण. से होने वाले आयातों के कारण पाटन एवं क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, प्राधिकारी का यह मत है कि इस उपाय की अवधि बढ़ाने की जरूरत है तथा निम्नलिखित तालिका में किए गए उल्लेखानुसार चीन जन.गण. से हुए आयातों के संबंध में पाटनरोधी शुल्क की राशि में संशोधन करना अपेक्षित है। क्षति निर्धारण के प्रयोजनार्थ आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित प्राधिकारकर्ता कंपनी की क्षतिरहित कीमत के साथ की गई है।

44. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन, जो भी कम जो, के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं। तदनुसार चीन जन.गण. के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के समस्त आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कॉलम 8 में उल्लिखित राशि और पहुंच मूल्य के बीच के अंतर के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

#### शुल्क तालिका

क्र. सं.	उप-शीर्ष टैरिफ मद	वस्तु विवरण	उद्गम देश	कानिर्भात देश	का उत्पादक	निर्यातक	पाटनरोधी शुल्क	ग्राह की इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(1)	2834.10.10	सोडियम नाइट्राइट	चीन जनवादी गणराज्य	चीन जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	617.42	मी.ट.	अम.डॉ.
(2)	2834.10.10	सोडियम नाइट्राइट	चीन जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	कोई	617.42	मी.ट.	अम.डॉ.
(3)	2834.10.10	सोडियम नाइट्राइट	कोई	चीन जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	617.42	मी.ट.	अम.डॉ.

44.1. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1952 के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा निर्धारित आकलनीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, की धारा 3, 3 क, 8 ख, 9 और 9 क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर समस्त सीमाशुल्क शामिल होंगे।

45. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार, सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी ।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 13th November, 2009

**Subject: Mid-term Review of Anti-Dumping duties on imports of 'Sodium Nitrite' originating in or exported from China PR – Final Findings.**

**F. No. 15/24/2008-DGAD.**— Whereas the Designated authority having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time, (hereinafter referred to as the AD Rules) recommended imposition of provisional Anti-dumping duty on imports of Sodium Nitrite (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR (also referred to as subject country) falling under Sub-heading 2834.10.10 The preliminary findings were published vide Notification No 39/1/99-DGAD dated 6<sup>th</sup> April 2000 and provisional duty was imposed on the subject goods vide Customs notification No. 76/2000-Customs dated 23<sup>rd</sup> May 2000. The Designated Authority notified the final findings on 3<sup>rd</sup> November 2000 and definitive anti dumping duty was imposed by Customs as per notification No. 147/2000-Customs dated 19<sup>th</sup> December 2000.

2. The Designated Authority initiated the sunset review investigation of anti-dumping duty imposed on imports of Sodium Nitrite (SNI) originating in or exported from China PR vide notification No. 39/1/1999-DGAD dated 2<sup>nd</sup> December, 2004 in accordance with Section 9A (5) of the Act, read with Rule 23 of Antidumping Rules, to review the need for continued imposition of duties in force and whether the expiry of the duty would be likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. The Designated Authority came out with final findings in the sunset review investigation on 1st December 2005 and anti dumping duty was imposed by Government as per notification No. 3/2006-Customs dated 17/01/2006.

3. The Designated Authority, in terms of section 9A (5) of the Act and Rule 23 of the AD Rules, received a duly substantiated application from M/s. Deepak Nitrite Ltd., Pune, requesting for review and enhancement of the anti-dumping duty in force on subject goods on the grounds that the dumping margin and injury margin determined earlier have significantly increased and therefore the existing duty is not sufficient to address the injury to the domestic industry. The Applicant claimed with prima facie evidence in this regard, and requested for review and enhancement of the anti dumping duty in force.

4. Having satisfied on the basis of positive evidence submitted by the domestic industry substantiating the need for a review, the Designated Authority issued a Public Notice No. 15/24/2008 dated 17<sup>th</sup> November 2008 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Mid-term Review of the anti-dumping duties.

**B. PROCEDURE**

5. In these proceedings the procedure described below has been followed:

(i) The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2).

(ii) The Designated Authority sent copies of initiation notification dated 17<sup>th</sup> November 2008 to the Embassy of the subject country in India, known exporters from the subject country, known importers and other interested parties, and the domestic industry, as per the information available with it. Parties to this investigation were requested to file questionnaire responses and make their views known in writing within the prescribed time limit. Copies of the letter, application and questionnaire sent to the exporter were also sent to the Embassy of the subject country along with a list of known exporters/ producers with a request to advise the exporters/producers from the subject country to respond to the questionnaire within the prescribed time.

(iii) Copy of the non-confidential version of the application filed by the domestic industry was made available to the known exporters and the Embassy of the subject country in accordance with Rules 6(3) supra.

(iv) Questionnaires were sent to the following known exporters from subject country in accordance with the rule 6(4) to elicit relevant information:

1. BORI International Enterprise (Nanjing) Co. Ltd. China.
2. Jiangsu International Economic-Technical Cooperation Corp. China.
3. Nanjing Chemical Reagent Co. Ltd. China.
4. Jiang Su Jincheng Reagent Co. Ltd. China.
5. Jiangsu Chem & Bldg. Ltd China.
6. Lianyungang Yuantai International Trading Co. Ltd. China.
7. Wuxi Feipeng Fine Chemical (Group) Co. Ltd. China.
8. Jiangsu Qiangsheng Chemical Co. Ltd. China.
9. Jiangsu Fangzhou Chemical Co. Ltd. China.
10. Hongze Yinzhu Chemical Group Co. Ltd. China.
11. Wuxi ZhanWang Chemical Co. Ltd. China.
12. Jiangsu Bohan Industry Trade Co. Ltd.
13. Changzhou JiaYe Chemical Co. Ltd. China.
14. Ningbo Huaxun Chemical Co. Ltd. China.
15. Wenzhou Dongsheng Chemical Reagent Factory. Wenzhou City.
16. Hangzhou Longshan Chemical Co. Ltd. China.
17. Ningbo Free Trade Zone Chemical & Light Industry Co. Ltd China.
18. Wenzhou Chemical Material Factory, China.
19. Zhejiang Zhongxing Chemical Reagent Co. Ltd. China.
20. Hangzhou Xinlong Chemical Co. Ltd.
21. Wenzhou Huaqiao Chemical Reagent Co. Ltd China.
22. Laxi yida Chemical Reagent Co. Ltd. China.
23. Lanxi Xincheng Fine Chemicals Co. Ltd.
24. Hangzhou Colorful Pigment Co. Ltd. China.
25. Wentong Group, China.
26. Shanghai Luyuan Fine Chemical Factory, China.

27. Shanghai Experimental Reagent Co. Ltd.
28. Shanghai Early-Bird Chemical Co. Ltd. China.
29. Shanghai Qingfeng Chemical Factory.
30. Shanghai Liming Industrial & Trade Co. Ltd. China.
31. Shanxi Dongxing Chemical Co. Ltd. China.
32. Shanxi Fengxi Fertilizer Industry (Group) Ltd.
33. Jiaocheng Knian Chemical Co. Ltd. China.
34. Wenhui Zhenxing Fertilizer Co. Ltd. China.
35. Guangzhou Jinhua Chemical Reagent Co. Ltd. China.
36. Guangdong Xilong Chemical Co. Ltd. China.
37. Hinc Group, China.
38. Shenzhen Juzhi Chemical Co. Ltd, China.
39. Shenzhen Jinrisheng Chemical Co. Ltd. China.
40. SinoChem Gangzhou Import & Export Corporation, China.
41. Chiyuen International Trade Company, China.
42. Jichang Holding Ltd. China.
43. China National Chemical Construction Shenzhen Company, China.
44. Dongguan Siwei Chemical Co. Ltd. China.
45. Shandong Lunguang Chemical Factory.
46. Shandong Tianxin Chemical Co. Ltd. China.
47. Heze Chenggong Chemical Co. Ltd, China.
48. Zibo Defeng Chemicals Co. Ltd. China.
49. Shandong Liaherd Chemical Industry Co. Ltd. China.
50. Zibo Chemical Reagent Factory Co. Ltd. China.
51. Shandong Jinneng Coal Gasification Co. Ltd. China.
52. Acroyali Holdings Qingdao Co. Ltd. China.
53. Qingzhou Ailitong Chemicals Technical Co. Ltd. China.
54. Tianjin Chemical Reagent No. 1 Plant China.
55. Tianjin Xinxin Chemical Plant, China.
56. Tianjin Kernel Chemical Reagent Co. Ltd. China.
57. Jinboke (Tianjin) International Co. Ltd. China.
58. Tianjin Youngshining Chemicals Co. Ltd. China.
59. Damao Chemical Reagent Factory China.
60. Beijing hengye Zhongyuan Chemical Co. Ltd. China.
61. China National Chemical Construction, China
62. Beijing Huateng Chemical Co. Ltd. China.
63. Hebei Smart Chemical Co. Ltd. China.
64. Sinochem hebei Qinhuangdao Import & Export Corporation, China.
65. Shijiazhuang Jihua Chemical Textile Co. Ltd. China.
66. Dahua Group Dalian Chemical Industry Co. Ltd. China.
67. Dahua Chem International Economic & Trade Corp. China
68. Mudanjiang Fengda Chemicals Imports & Export Corporation, China.
69. Chongqing Fuyuan Chemical Co. Ltd. China.
70. Xiamen Meddi Chemical industry Co. Ltd. China.
71. Allway Chem-Pharm Int'l, China
72. Huan Xinyu Native Produce & Animal By-Products Import & Export Co. Ltd. China.
73. Ronas Chemicals Ind. Co. Ltd. China.

None of these exporters responded to the questionnaire in response to the above notification.

(v) Questionnaire was sent to the following known importers and users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4):

1. Ahmedabad Chemicals, Ahmedabad.
2. Asitic Industries, Ahmedabad.
3. Aries Dyechem Inds, Ahmedabad.
4. Bakul Aromatics & Chemicals Ltd, Bombay.
5. Caffil Pvt Ltd, Mumbai.
6. Dintex Dyechem Ltd, Ahmedabad.
7. Dynamic Industries Ltd, Ahmedabad.
8. Enzel Chem (I) Pvt. Ltd, Mumbai.
9. Farmson Pharmaceuticals, Baroda.
10. Indocol Chem Ltd, Ahmedabad.
11. Island Veerchemie, Hyderabad.
12. Jansons Ltd, Mumbai.
13. Ketul Chem Pvt Ltd, Mumbai.
14. Metrochem Industries, Ahmedabad.
15. Manish Chemicals Ltd, Ahmedabad.
16. Parsin Chemicals Ltd, Hyderabad.
17. Prabava Dyewear Co. Ltd, Mumbai.
18. Ravi Dyewear Co. Ltd, Mumbai.
19. Roha Dyechem, Mumbai.
20. SU-Vi Chemicals Ltd, Solapur.
21. Savakashi Dye-O-Fab, Ahmedabad.
22. Suven Pharmaceuticals Ltd, Hyderabad.

None of the importers / interested parties have filed the questionnaire or any information in this regard.

(vi) Imports data for the period of investigation and preceding three years was called from Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S).

(vii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by the interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.

(viii) M/s. Deepak Nitrite Ltd., Pune being domestic industry, has submitted the information/data. The Authority examined the information furnished by the domestic industry to the extent possible on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) to examine the injury suffered, to work out optimum cost of production, cost to make and sell the subject goods in India and so as to ascertain if Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to domestic industry. The company has maintained all statutory books of accounts. Since information relied upon is from the books of accounts, the Authority has adopted the information verified from the books of accounts maintained by the company.

(ix) In accordance with Rule 6(6) of the AD Rules, the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a public hearing held on 29<sup>th</sup> July, 2009. The parties, which presented their views in the public hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally.

(x) The arguments made in the written submissions/ rejoinders received from interested parties have been considered, wherever found relevant in these findings;

(xi) Investigation was carried out for the 12 months period starting from 1.04.2007 to 31.3.2008 (POI) and the Injury analysis has been done for the period 2004-05, 2005-06, 2006-07, and 2007-08.

(xii) In accordance with Rule 16 of the AD Rules, the essential facts considered by the Authority were disclosed to the known interested parties and comments received on the same have been duly considered in these final findings.

(xiii) Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.

(xiv) Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded these findings on the basis of the facts available.

(xv) \*\*\* in this notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the authority under the AD Rules.

## **C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND DOMESTIC 'LIKE ARTICLE'**

### **C.1 VIEWS OF THE DOMESTIC INDUSTRY**

6. Following issues have been raised by the domestic industry with regard to product under consideration and Domestic like article:

6.1. Present review investigation being a mid-term review investigation requesting for enhancement of the Anti-dumping duty in place, product under consideration remains the same as has been defined in the previous investigations.

6.2. The product involved in the previous investigation and the present review investigation is 'Sodium Nitrite'. Sodium Nitrite is an oxidizing as well as a reducing agent also. It is a white crystalline powder mostly used in pharmaceuticals industries, dye industries, lubricants, construction chemicals, rubber blowing agent, heat transfer salts, meat processing, textiles, etc. Major raw material for production of Sodium Nitrite is ammonia, which is converted into nitrous oxide at high temperature in presence of catalyst. The nitrous oxide is then absorbed in caustic soda to get Sodium Nitrite. Sodium Nitrite is primarily used in dyes industries for producing various types of intermediates, pharmaceuticals industry for production of Analgin, Theophylline, Caffeine etc.

6.3. Sodium Nitrite is classified under custom sub-heading 2834.00 of Schedule 1 of the Customs Tariff Act, 1975 and within 2834.1010 of the ITC. The classification is, however, indicative and in no way binding on the scope of the present investigation.



6.4. The goods produced by the domestic industry are like article to the imported product. The Designated Authority in the previous investigations examined the Issue of product under consideration and like article in detail.

**C.2 Views of the importers, consumers, exporters and other interested parties**

7. None of the exporters, importers, consumers and other interested parties has filed any comment or submissions with regard to product under consideration and Domestic like articles.

**C.3 Examination by the Authority.**

8. The product under consideration in the present investigation is Sodium Nitrite (also referred to as subject goods hereinafter), classified under Chapter 28 under Sub-heading 2834.1010.

9. There is no significant difference in Sodium Nitrite produced by the Indian industry and Sodium Nitrite exported from China PR, which can have an impact on price. Sodium Nitrite produced by the Indian industry and originating in or exported from the China PR are comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, pricing policy, distribution and marketing and tariff classification of the goods. In view of the similarity in manufacturing process and substitutability, the Authority therefore holds that the two are required to be treated as alike and one product for the purpose of this investigation as per Rule 2(d) of the AD Rules.

**D. Standing and scope of the Domestic Industry**

**D.1. Views of Domestic Industry**

10. In the previous investigations, Deepak Nitrite Ltd., Pune, filed the application before the Authority and the Authority considered that the applicant as domestic industry, as it accounted for a major proportion of the production of the 'Like Article' in India, in accordance with the Rules.

11. M/s Deepak Nitrite Ltd., Pune, has filed the Application for review and enhancement of anti dumping duty. The Applicant has submitted that it continues to be a major producer of the subject goods in India and accounts for significantly more than 50% of the total Indian Production.

12. Therefore, for the purposes of this review, the Applicant satisfies the standing requirement (even though the same is not mandatory in a mid-term review) and constitutes domestic industry within the meaning of the AD Rules.

**D.2 Views of the importers, consumers, exporters and other interested parties**

13. None of the exporters, importers, consumers and other interested parties has filed any comment or submissions with regard to "domestic industry" and the 'Standing thereof.

**D.3. Examination by the Designated Authority**

14. The Application for review and enhancement of anti dumping duty has been filed by M/s Deepak Nitrite Ltd., Pune and it has provided relevant information in respect of changed circumstances with regard to dumping and consequent injury to the domestic industry. The Production by M/s Deepak Nitrite Ltd., Pune commands more than 50% share in Indian production.

15. Rule 2(b) under the Rules provides as follows:-

"(b) 'domestic industry' means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers may be deemed not to form part of domestic industry"

16. Considering that the applicant M/s Deepak Nitrite Ltd., Pune accounts for a major proportion of the total domestic production of the domestic like article and having regard to the legal provisions and facts available on record, the Authority holds that M/s Deepak Nitrite Ltd., Pune constitutes 'domestic industry' for the purpose of the present investigation within the meaning of the AD Rules.

**E. DUMPING MARGIN****E.1. Views of Domestic Industry**

17. Since in this mid-term review investigation, none of the exporters/ producers from China PR has responded and filed any submission with regard to their claim of market economy treatment; the normal value may be determined for all exporters/producers from China PR as per rules applicable for non-market economy country.

18. It has been contended by the applicant that in order to arrive at normal value on the basis of "comparable price" of market economy third country, the Designated Authority shall require complete & exhaustive verifiable information on all domestic sales made by a cooperating producer in such third country, along with its cost of production and all other associated information and evidences (including all information in the ordinary course of trade). The Applicant has requested to consider India as an appropriate surrogate country for Chinese producers, because the accurate and adequate information for India is easily accessible. Other Investigating Authorities have been considering India as appropriate surrogate country and there is no factual basis which restricts the same.

19. It has been contended by the applicant that the normal value in China PR can thus be determined on the basis of (a) price in India, and (b) cost of production in India, duly adjusted, including selling, general and administrative expenses and profit. Accordingly, the normal value has been determined by them on the basis of cost of production in India, duly adjusted, in view of the fact that the selling price is a loss making price. The calculations of normal value were enclosed with the application.

**E.2 View of exporters/importers and other interested parties**

20. None of the exporters, importers, users and other interested parties has filed any comment or submissions with regard to export price, normal value and determination of dumping margin

**E.3 Examination by the Authority**

21. Under Section 9A(1)(c) of the Act, normal value in relation to an article means:

(i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or

(ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory to an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

**E.4 Normal Value in China PR**

22. In anti-dumping investigations concerning imports originating in China PR, normal value is required to be determined in accordance with Paras 7 & 8 of Annexure I of the AD Rules. The Authority notes that Para 7 of Annexure I of AD Rules provides that:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin..."

Further Para 8 of Annexure I of the AD Rules (as amended) provides that:

"8 (1) The term "non-market economy country" means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph (3).

(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti-dumping investigation by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO

member country during the three year period preceding the investigation is a non-market economic country;

Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3)."

#### **E.4.1. Examination by the Authority**

23. None of the Chinese exporters/producers filed any information/evidence as mentioned in sub Para 3 of the Paragraph 8 of Annexure 1 of the AD Rules to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether;

- a. the decision of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials cost of technology and labour, output sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b. the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c. such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and
- d. the exchange rate conversions are carried out at the market rate;

24. The Authority, in view of non-cooperation of Chinese exporters/producers cannot grant market economy status to any individual company and finds it appropriate to determine the normal value as per Para 7 of Annex-I of the AD Rules treating China PR as a non-market economy country. The Authority notes that the Applicant did not provide information regarding the evidence of price or constructed normal value in a market economy third country. The information regarding the price from a market economy third country to other countries was also not made available. Besides, the prices from market economy third country to India could not be adopted since majority of imports to India were either by China PR or transhipped subject goods of Chinese origin from third countries. In view of the above, the Authority finds it appropriate to construct the normal value considering the cost of production in India, duly adjusted, reflecting the raw material prices and conversion costs, selling, general administrative expenses and reasonable profit. The raw materials for manufacturing Sodium Nitrite at the international price, the consumption norms of the domestic industry and reasonable profit have been considered for constructing the normal value for all exporters/producers of China PR.

25. The normal value is therefore determined as US\$ \*\*\* / MT for all exporters/producers from China PR.

#### **E.5. EXPORT PRICE**

##### **E.5.1. Views of Domestic industry:**

26. According to the WTO Agreement on Anti Dumping and Indian Rules, comparison of normal value and export price should be done at same level of trade. Therefore, the export price has been adjusted for the following expenses, which may have been incurred by the exporter for exporting the subject goods to India (i) Ocean Freight; (ii) Marine Insurance; (iii) Port Expenses and Handling Charges; (iv) Inland Freight; (v) Bank Commission; (vi) VAT difference.

#### **E.5.2. Examination by the Authority**

27. The Authority notes that neither the exporters/ producers nor importers/ users have responded in this investigation. The Authority on the basis of import statistics collected from DGCI&S has determined the import volumes and export price for the subject goods from China PR. The adjustments based on facts available in respect of inland freight, handling, insurance, overseas freight etc. have been considered to arrive at ex-factory export price to India. The Authority has thus determined the ex-factory export price as US\$ \*\*\* / MT of subject goods for all exporters/producers from China PR.

### **E.6. DUMPING MARGIN**

#### **E.6.1. Views of Domestic Industry:**

28. The dumping margin is not only more than de-minimis, but also significantly high, causing material injury to the Indian industry.

#### **29. Continued dumping and likelihood of continued dumping:**

The present investigation is a mid-term review investigation and the Designated Authority is required to examine whether quantum of anti dumping duty is required to be modified (enhanced). The Designated Authority is required to examine the need for the continued imposition of the anti-dumping duty and whether the quantum of anti dumping duty is required to be modified. Though the Designated Authority is not required to examine likelihood of continuation of recurrence of dumping, nevertheless, the Applicant has provided information to show that dumping is likely to continue and cause injury to the domestic industry in case the present anti dumping duties are not enhanced appropriately. Followings are relevant in this regard –

- a. Volume of exports have remained significant vis-à-vis original investigations, as would be seen from the table below –

Year	Imports from China PR (in MT)
1996-97	611
1997-98	3095

1998-99(POI original case)	2024
1999-00	3422
2000-01	1287
2001-02	2000
2002-03	2202
2003-04(POI sunset)	3740
2004-05	2,519
2005-06	5,138
2006-07	6,032
2007-08(POI MTR)	4,365
2008-09	8,212
2009-10 (Apr-June)	2,654
2009-10	10,616
(Apr-June) annualized	

- b. The dumping margin determined in the original investigation and last SSR were significant, as would be seen from the table below. The dumping margin estimated by the Applicant in the present petition is also quite significant

	Dumping Margin	Benchmark
	(in %)	
Original Investigation	75.78%	524.63US\$ pmt.
SSR investigation	55.74%	481US\$ pmt.
Present investigation	68.32%	Approximately 638 US\$ pmt

- c. The volume of exports in the post POI period is also quite significant. In fact, the volume of imports declined somewhat only because of Olympics (because a number of plants were directed to suspend production). Once the Olympics were over, the production resumed to normal levels and Indian market is once again witnessing spiralling imports from China PR.
- d. Continued exports even after imposition of duty at significantly dumping levels clearly show the need for enhancement in the benchmark.

### **E.6.2. Examination by the Authority**

30. Considering the normal value and export price determined as detailed above, dumping margin has been determined in respect of imports reported in India during the investigation period. The dumping margin has been determined as US\$ \*\*\*Per MT and 60.94%.

Particulars	Unit	Price/MT
Normal Value	US\$/MT	***
Export Price	US\$/MT	***
Dumping Margin	US\$/MT	***
Dumping Margin %	%	60.94

## **F. INJURY AND CAUSAL LINK DETERMINATION**

### **F.1. Views of the Domestic Industry**

31. The proper interpretation and understanding of Article 11.2 of the ADA, Section 9A (5) of the Act and Rule 23 of the AD Rules is that the main intent behind the mid-term review is to consider whether (a) anti-dumping duty in force is required to be withdrawn, (b) anti dumping duty in force is required to be enhanced or reduced. The focus in the mid-term review, that too where the application is for enhancement in the quantum of anti dumping duty should be on (a) justification for continuation of anti dumping duty, and (b) justification for enhancement in the quantum of anti dumping duty. In the present case:

- the domestic industry has suffered continued injury inspite of existing anti dumping duty thus establishing the need for continuation of anti dumping duty.
- The injury would be likely to continue in the event of revocation or reduction in the quantum of duties.
- the current benchmark duty is no longer sufficient to address the injury to the domestic industry; the non-injurious price of the domestic industry has substantially

increased; and therefore the quantum of anti dumping duty is required to be modified/enhanced.

- d. While the costs of production have increased over the period, resulting in some increase in the import prices (however it is disproportionate to the increase in input costs), the benchmark has remained the same. Resultantly, almost from August 2007, imports have been reported at such prices that the landed price of imports were higher than the benchmark. Thus, while the imports continue unabated without payment of anti dumping duty at dumped and injurious prices, the domestic industry suffered heavily.

## **F.2 Views of exporters, importers, users etc**

32. There has been no response from any producer/exporter in China PR. Nor has any arguments been advanced on any aspect of the present investigation by any interested party, including on injury & causal link.

## **F.3. Examination by the Authority**

33. The investigation is for review, continuance and enhancement of anti-dumping duty in force in view of the claim of the domestic industry of continued dumping and consequent injury and likelihood of continued dumping and consequent injury.

34. Annexure-II of the AD Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like article; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

35. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry Para (iv) of Annexure-II of the AD Rules states as follows:

“The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping, actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.”

36. The Authority has taken note of the arguments of the interested parties on injury examination and addressed the issues raised at appropriate places. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts and the arguments of the interested parties.



37. For the purpose of assessing present state of injury, the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods from subject country on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal link between the dumping and injury, if any. Accordingly the volume and price effects of dumped imports have been examined as follows:

**A. Volume Effect**

**a) Assessment of Demand**

For the purpose of assessment of the domestic consumption/demand of the product under consideration, the Authority added the sales volume of the domestic industry and other Indian producers to the total imports into India, which has been summarized as under:

<b>Demand</b>		<b>2004-05</b>	<b>2005-06</b>	<b>2006-07</b>	<b>2007-08</b>
Sale of Domestic Industry	MT	17,061	17,715	18,538	21,276
Sale of Other Indian Producers	MT	6,463	6,034	6,262	6,313
Captive consumption	MT	1,358	1,105	657	665
Import from China PR	MT	2,519	5,138	6,032	4,365
(Subject country)					
Import from EU	MT	2,706	3,506	2,336	2,423
(Territory attracting duty)					
Import from Other	MT	699	359	2	200
Countries					
Demand	MT	30,086	33,857	33,828	35,241

The Authority notes that the demand has generally shown a positive trend over the injury period except a marginal fall during 2006-07.

**b) Import Volume & market share**

Annexure-II (ii) of the AD Rules provides that with regard to volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

The Authority has determined the volume of imports based on DGCI&S data, as shown in the following table:

<b>Imports</b>	<b>Units</b>	<b>2004-05</b>	<b>2005-06</b>	<b>2006-07</b>	<b>2007-08</b>
• China PR	MT	2,519	5,138	6,032	4,365
• EU (Territory attracting AD duty)	MT	2,706	3,506	2,336	2,423
Other Countries	MT	699	359	2	200
Total Imports	MT	5,924	9,003	8,371	6,987

4135.52/09-6

**Market share in Imports**

China PR	%	42.51	57.07	72.07	62.47
EU (attracting AD duty)	%	45.69	38.94	27.91	34.68
Other Countries	%	11.80	3.99	0.02	2.86

**Market share in Demand**

Domestic Industry	%	55.38	52.32	54.80	60.37
Other Indian producers	%	20.98	17.82	18.51	17.91
Captive Transfer	%	4.41	3.27	1.94	1.89
Imports from China PR	%	8.18	15.17	17.83	12.39
Imports from EU (attracting duty)	%	8.79	10.36	6.91	6.88
Imports from Other Countries	%	2.27	1.06	0.01	0.57
Production of domestic Industry	MT	21,087	21,035	20,800	22,757

**Imports in relation to production of Indian Industry as %**

• China PR (Subject country)	%	11.94	24.42	29.00	19.18
• EU (Country attracting ADD)	%	12.83	16.67	11.23	10.65
Other Countries	%	3.32	1.71	0.01	0.88

It is evident from the above that

- i. The volume of imports from China PR has increased both in absolute and relative terms as compared to the base year inspite of anti-dumping duties in force.
- ii. The Share of imports from China PR has increased in terms of imports of the subject goods in India as compared from the base year.
- iii. The market share in demand in respect of subject goods from subject country, which was only 8.18% during 2004-05 reached to level of 12.39% in the period of investigation. At the same time, share of EU, which is already attracting anti dumping duties, has declined over this period. As a result, share of Indian industry (including captive), which was 80.77% during 2004-05 declined to 80.17% during POI.
- iv. Imports from China PR have increased in relation to Indian production.

It has also been contended by the domestic industry that there was a fall in imports of the subject goods from China PR as some of the polluting industries in China PR, including those of Sodium Nitrite manufacturers were asked to shut down their plants before start of Olympics in China PR.

**c) Production, capacity and capacity utilization**

Particulars	Units	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Installed capacity	MT	27,000	27,000	27,000	27,000
Production	MT	21,087	21,035	20,800	22,757
Capacity Utilization	%	78.10	77.91	77.04	84.29

The Authority notes that Production and capacity utilization of the domestic industry fell in 2005 -06 and 2006-07 but increased in the POI. It is observed that the domestic industry has been able to improve its volumes during the POI. The Domestic industry has stated that Chinese producers had to curtail their production due to Olympics. Further, the domestic industry has been making efforts to improve its production to the extent possible to offset its fixed costs and then sell the product, even at financial losses.

**d) Sales:**

Sales volumes of domestic industry are given in the following table: -

Particulars	Units	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Domestic Sales	MT	17,061	17,715	18,538	21,276
Sales Indexed	Trend	100	104	109	125

It is noted that sales volume of the domestic industry also shows an increasing trend over the injury period. It is also noted that the increase in sales is also due to increase in demand of the product concerned in India.

**B) Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry**

i) The impact on the prices of the domestic industry on account of imports from the subject country have been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis, the cost of production, net sales realization (NSR) and the non-injurious price (NIP) of the domestic industry (worked out on the basis of the costing information of the domestic industry) have been compared with landed value of imports from the subject country.

ii) A comparison for subject goods during the period of investigation was made between the landed value of dumped imports and the domestic selling price in the domestic market. In determining the net sales realization of the domestic industry, taxes, rebates, discounts and commission offered by the domestic industry have been adjusted. The price underselling is an important indicator of assessment of injury; thus, the Authority has worked out a non-injurious price and compared the same with the landed value to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been evaluated for the domestic industry by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI. The position is as follows:

Particulars	Units	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Landed price	Rs./MT	18,161	17,832	16,906	19,070
Net selling price	Rs./MT	***	***	***	***
Price undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price undercutting	% Range	5 to 15	15 to 25	15 to 25	10 to 20
Non injurious price	Rs./MT	-	-	-	***
Price underselling	Rs./MT	-	-	-	***
Price underselling	% Range	-	-	-	30 to 35

4135G1/09-7

(iii) Since the anti-dumping duties are in force on the subject goods, the price undercutting has also been computed with reference to the benchmark price recommended by the Authority in the previous investigation:

	Units	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Reference Price	USD/MT	524.63	524.63	481.00	481.00
Exchange Rate	Rs./USD	45.22	44.41	45.60	40.75
Reference Price	Rs/MT	23,722	23,298	21,934	19,601
Landed Price	Rs/MT	18,161	17,832	16,906	19,070
Antidumping duty	Rs/MT	5,765	5,665	5,214	755
Landed price with ADD	Rs/MT	23,932	23,497	22,120	19,825
Net selling price	Rs./MT	***	***	***	***
Price undercutting amount- With ADD	Rs/MT	(***)	(***)	(***)	***
Price undercutting % - With ADD	% Range	(-)15 to 25	to (-)5 to 15	to (-)1 to 5	10 to 20

The Authority notes from the above that:

- The imports from China PR are significantly undercutting the prices of the domestic industry during POI as well as in the previous years.
- The applicable benchmark price was lower than the selling price of the domestic industry during the period of investigation. Thus, imports were cheaper even after the addition the of prevailing Anti-dumping duty..

### Price suppression

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08 (POI)
Net Selling price	Rs/Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	106	105	111
Cost of sales	Rs/Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	112	127	112

(iv) In order to assess whether the imports from the subject country were suppressing/ depressing the prices of the domestic industry, the Authority compared the trends in selling prices and cost of production, as seen in the table above. It is noted that the increase in the selling price was marginally less than increase in the cost of production over the injury period. The imports were thus marginally suppressing the prices of the domestic industry.

- The Authority notes that (a) landed price of imports are significantly below the selling price of the domestic industry, thus resulting in significant price undercutting;
- (b) the landed price of imports are significantly below the non-injurious price of the

domestic industry, thus resulting in price underselling; besides (c) the imports from subject country were also marginally suppressing the prices of domestic industry.

### C. Examination of other Injury Parameters

38. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analyzed hereunder as follows:

(a) **Profit/loss, return on investment and cash flow** – The return on investment, profit/loss before and after interest, return on investment and cash profit has moved as shown in the table below:

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
<b>Profit / ( Loss)</b>					
Cost of Sales	Rs/MT	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	112	127	112
Selling price	Rs/MT	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	106	105	111
Profit/( Loss)	Rs/MT	***	***	***	***
Indexed	Trend	(100)	(196)	(418)	(119)
Profit/( Loss)	Rs/Lacs	***	***	***	***
Indexed	Trend	(100)	(203)	(454)	(148)
PBIT	Rs/Lacs	***	***	***	***
Indexed	Trend	(100)	(324)	(960)	(49)
Cash Profit	Rs/Lacs	***	***	***	***
Indexed	Trend	(100)	(306)	(877)	(110)
Return on Capital Employed-NFA	%	***	***	***	***
Indexed	Trend	(100)	(231)	(604)	(32)

The Authority notes that:

i. The domestic industry has been incurring losses throughout the injury period. The profitability declined till 2006-07 with continuous increase in imports volumes from subject country but it improved in the period of investigation. Though the losses reduced during the period of investigation but still remained higher than the base year indicating the overall deterioration in profitability over the injury period.

ii. In order to analyze the impact of dumped imports on cash flow, the Authority has examined the trends in cash profits over the injury period as shown in the above table. The cash profit has been determined by addition of amount of depreciation to the profit (profit before tax). The domestic industry was faced with negative cash flows over the injury period. Cash losses however reduced during the period of investigation in line with the profitability.

**(b) Inventories:**

Inventories with the domestic industry have been as under:

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Average stock	MT	220	498	766	442
Indexed	Trend	100	226	348	201

The Authority notes that the inventories with the domestic industry increased till 2006-07 but declined during the POI.

**(c) Employment, wages and productivity**

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
<b>Employment</b>	Nos.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	89	88	89
Production	MT	21,087	21,035	20,800	22,757
Productivity per day	MT	58	58	57	62
Productivity Per Employee	MT	***	***	***	***
Productivity per Employee	Indexed	100	112	112	121
Wages	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	89	43	92

The Authority noted no significant changes in employment and wages level. Productivity, expressed in terms of production per employee shown improvement in view of increase in production.

**(d) Growth**

Large number of the injury parameters show positive trend during the period under examination. While there was positive growth, an adverse price effect has been seen in terms of price undercutting, price underselling and price suppression. Losses reduced during the period of investigation but still remained higher than the base year indicating the overall deterioration in profitability over the injury period.

**(e) Dumping margin** – The Authority notes that the dumping margin determined against the subject country is significant, even when the anti-dumping duty is in force.

**(f) Ability to raise capital investments** – The Authority notes that the Applicant Company is a multi-product company and may not have difficulty in raising fresh investment. However, adverse performance of the product may hinder the ability to raise fresh investments in future.

**39. Other Known factors and Causal Link**

- a. Volume and value of imports not sold at dumping prices: - Imports from other countries are either at higher prices or the volume of imports is de-minimis or these imports are already attracting anti dumping duties. Imports from other countries are, therefore, not causing injury to the domestic industry or the sources are already attracting anti dumping duties
- b. Contraction in demand:- Demand of the product under consideration has not registered any negative growth. Thus, there is no contraction in demand, which could have contributed to injury to the domestic industry.
- c. Changes in the patterns of consumption:- The pattern of consumption with regard to the product under consideration has not undergone any change. The changes in the pattern of consumption could not have contributed to the injury to the domestic industry.
- d. Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers: - There is no trade restrictive practice, which could have contributed to the injury to the domestic industry.
- e. Developments in technology:- Technology for production of the product has not undergone any change. Thus, development in technology is not a factor of injury.
- f. Export performance:- The Applicant does not have significant export activity. Injury to the domestic industry cannot be due to exports of the subject goods by the Applicant.
- g. Performance of other products produced and sold by the domestic industry:- Domestic industry is a multi-product company. However, the information with regard to the product under consideration has been segregated and the information relied upon is not in respect of other products. Performance of other products did not cause any impact over injury to the domestic industry.

40. The above analysis of injury parameters and examination of non-attribution factors indicate that though there is improvement in several parameters in the performance of the domestic industry but they still continue to suffer material injury on account of drop in profitability, cash loss, price undercutting and price underselling due to the dumped imports from the subject country.

**D. Likelihood of continuation or recurrence of injury**

41. The Authority notes that dumping is continuing from China PR in spite of the antidumping duty in force and the domestic industry continues to suffer material injury due to such dumped imports. Therefore, further examination of the likelihood of recurrence of dumping and injury is not required.

**H. CONCLUSIONS**

42. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority through the submission of

interested parties or otherwise as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the state of current and likely dumping and injury and likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury, the Authority concludes that:

- i. The subject goods are entering the Indian market at dumped prices and dumping margins of the subject goods imported from China PR is significant and above de-minimis limits prescribed. The subject goods continue to be exported to India at dumped prices in spite of existing anti dumping duties.
- ii. Considering the facts available on record, the subject goods are likely to enter Indian market at dumped prices, should the present measures be withdrawn.
- iii. The situation of domestic industry deteriorated further in spite of existing anti dumping duties. Further, should the present anti dumping duties be revoked, injury to the domestic industry is likely to continue and intensify.
- iv. The deterioration in the performance of the domestic industry is because of dumped imports from China PR.
- v. The current level of anti dumping duty is insufficient to address continued dumping and consequent injury to the domestic industry and thus the anti-dumping duty is required to be modified.

## I. RECOMMENDATIONS

43. Having concluded that the product continues to be exported at dumped prices, the current dumping margin and injury margin establishes the need for revision in the anti-dumping duty in force, the situation of the domestic industry continues to be fragile and there is likelihood of continuation or resumption of dumping and injury on account of imports from China PR, if the duties are revoked, the Authority is of the opinion that the measure is required to be extended and the quantum of Anti-dumping duty is required to be modified in respect of imports from China PR as specified in the duty table below. For the purpose of determining injury, the landed value of imports is compared with the non-injurious price of the petitioner company determined for the period of investigation.

44. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the antidumping duty equal to the difference between the amount indicated in Col 8 of the table below and the landed value is recommended to be imposed on all imports of subject goods originating in or exported from China PR.

### Duty Table

S. No.	Sub-heading of tariff item	Description of goods	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Anti-dumping duty	Unit of Measurement	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10



(1)	2834.10.10	Sodium Nitrite	People's Republic of China	People's Republic of China	Any	Any	617.42	MT	US\$
(2)	2834.10.10	Sodium Nitrite	People's Republic of China	Any	Any	Any	617.42	MT	US\$
(3)	2834.10.10	Sodium Nitrite	Any	People's Republic of China	Any	Any	617.42	MT	US\$

44. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

45. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

R. GOPALAN, Designated Authority